नई उम्मीद

www.cifseindia.org

आग से बचाव और सुरक्षा के उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रदेश का पहला छात्रवृत्ति प्रदान करने वाला इंस्टीट्यूट

रोजगार की राह बनाता एक संस्थान

कानपुर। अक्सर कहा जाता है कि आग से मत खेलो, जल जाओगे। लेकिन आग से खेलना कैरियर की ठंडक जरूर दे सकता है। इस बात का दावा तो कोई कर नहीं सकता कि आग लगेगी या नहीं लगेगी। आग नहीं लगी तो कोई संकट नहीं लेकिन लग गई तो उसे बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने एक ऐसा आदमी या ऐसी टीम चाहिए जो आग की किस्म, आग लगने का कारण, आग बुझाने के तरीके, आग बुझाने के सामान और आग में घिरे लागों को सुरक्षित बाहर निकालने के हुनर की जानकारी रखती हो। ऐसे में जो लोग चाहते हैं आग से खेलते हुए कैरियर की बुलंदी तक पहुंचना वे डिप्लोमा से लेकर बीई (फायर) करके विभिन्न पदों तक पहुंच सकते हैं। आज हमारे देश में जहां बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है। वहीं छात्र उचित मार्गदर्शन की कमी के कारण क्षमता होने के बावजूद रोजगार के क्षेत्रों में भ्रमित होकर उचित क्षेत्र का चयन नहीं कर पाते हैं। फायर एवं सेफ्टी इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें सेवा में रुचि रखने वालों के लिए कैरियर की असीम सम्भावनाएं हैं। ऐसे छात्रों को सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर कैरियर की उचित दिशा प्रदान करता है और सेवा के क्षेत्र में रुचि रखने वालों को उनकी मंजिल तक पहुँचाता है। ऐसे क्षेत्रों की कोई कमी नहीं है जो यहाँ से प्रशिक्षण के पश्चात आपकी राह देख रहे हैं। रोजगार के अवसर भी असीमित हैं। सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर ने रोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराये हैं तथा विभिन्न सेक्टर्स में गत वर्षों में सैंकड़ों चयन भी दिये हैं। साथ ही सुरक्षा जागरूकता हेतु स्कूल, कॉलेजों एवं अन्य औद्योगिक स्थानों पर लोगों को आग तथा अन्य खतरों से बचाव का सजीव प्रदर्शन भी किया है। इनके साथ ही हाल ही में कानपुर में हुई घटनाओं में आपदा प्रबन्धन की टीम को सहयोग भी प्रदान किया है।

देश -विदेश में कैरियर के विभिन्न विकल्पों के साथ सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर सेवा के इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने वाले छात्रों के लिए उम्मीद की नई किरण की तरह काम कर रही है।

सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर प्रशिक्षण के साथ-साथ सेवा में भी अग्रणी

एक्सपर्ट की सलाह

अगर आप भी साहसी और जोखिम भरे काम करने से नहीं हिचकिचाते, तो आप फायर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में लोगों की जान-माल की सुरक्षा के साथ अपने लिए एक उम्दा कैरियर बना सकते हैं। इसके लिए 12वीं पास करके आप किसी डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्सेज के लिए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं ...

एम.एन. पाण्डेय
पूर्व असिस्टेन्ट डायरेक्टर
क्षेत्रीय श्रम संस्थान, कानपुर

Q फायर इंजीनियरिंग में किस-किस तरह के काम होते हैं। क्या इस क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण की जरूरत है?

जवाब : फायर इंजीनियरिंग में जितनी जरूरत डिग्री की होती है, उससे ज्यादा जरूरत कुछ व्यक्तिगत योग्यताओं की भी है। आग कहीं भी लग सकती है चाहे वो कारखाना हो, केमिकल फैक्टरी हो, आबादी वाला इलाका हो या फिर कोई जंगल, ऐसे में जो उम्मीदवार धैर्य व लीडरशिप क्वालिटी से परिपूर्ण हैं उनके लिए कैरियर की उज्जवल सम्भावनाएं मौजूद हैं। फायर इंजीनियरिंग में कई तरह के काम होते हैं जैसे किसी भी वस्तु विशेष, लिविंग ऑर नॉन लिविंग को आग से बचाना, तरह-तरह के उपकरणों का उनके उचित स्थान पर प्रयोग करना, मशीन का संचालन व उनकी मैन्यूफैक्चरिंग करना, टीम भावना का ध्यान रखना, सलाह देना, आग में फंसे लोगों का सुरक्षित बाहर निकालना आदि। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में एक्सपर्ट इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि भवन में अलार्म व्यवस्था कैसी है, खिड़कियां कितनी हैं और किस दिशा में हैं, हवा किस दिशा में चलती है उसी हिसाब से खिड़कियों को जगह देना, आर्किटेक्ट और इंजीनियर्स द्वारा सलाह मशविरा देना। इलेक्ट्रिकल फेज कहां देना है तथा जनरेटर व्यवस्था आदि। उदाहरण के लिए कानपुर में तमाम मॉल, पिक्चर हॉल एवं अन्य सार्वजनिक स्थान हैं जहां उनके जनरेटर्स बेसमेंट में रखे गये हैं जबकि जनरेटर्स को रखने की व्यवस्था छत पर या बाहर होनी चाहिए।

Q क्या किसी भी स्ट्रीम के विद्यार्थी इस क्षेत्र में कैरियर बनाने में सक्षम हैं?

जवाब : यह क्षेत्र रोमांच और खतरों से खेलने का क्षेत्र है क्योंकि इसमें आप उपकरणों के बीच घिरे रहते हैं। ऐसे में बारहवीं पास किसी भी स्ट्रीम का छात्र इस क्षेत्र में डिप्लोमा कोर्स कर सकता है लेकिन बी. एस.सी. इन फायर एण्ड सेफ्टी या बी.टेक. करने के लिए पी.सी.एम. अनिवार्य है। इसके अलावा आपके पास किसी भी अन्डर ग्रेजुएट प्रोग्राम के बाद भी डिप्लोमा कोर्स हेतु प्रवेश लेने का विकल्प मौजूद है।

Q फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग का क्या स्कोप है इन कोर्सेस को करने के बाद कौन-कौन से विकल्प मिल सकेंगे?

जवाब : जब तक प्राणि जगत है तब तक इसका स्कोप रहेगा। चूंकि मानव पूरी दुनिया से तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है तथा शहरों के विस्तार के साथ ऊँची-ऊँची इमारतें भी बन रही हैं और इन इमारतों में फायर एवं सेफ्टी के लिहाज से महंगे-महंगे उपकरणों का प्रयोग किया जा रहा है। ऐसे में इन क्षेत्रों के विभिन्न विभागों में कर्मचारियों एवं अधिकारियों की जरूरत दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

Q इस क्षेत्र में खतरे भी कम नहीं है इसलिए पहले से किस तरह की तैयारी करना उचित होगा?

जवाब : इस क्षेत्र में जाने के लिए निम्न तैयारियां करायी जाती हैं -

- फिजिकल फिटनेस
- टीम में रहकर काम करना
- कम्युनिकेशन स्किल को अच्छा रखना
- दबाव में रहकर भी दिमाग का सही इस्तेमाल करना
- तेजी से निर्णय लेना और लीडरशिप क्वालिटी विकसित करना

Q इस क्षेत्र में कार्य का स्वरूप कैसा होता है तथा हमें किन-किन कार्यों को एक्जिक्यूट करना पड़ता है?

जवाब : यह एक ऐसा क्षेत्र में जहां एक से अधिक विभागों में कार्य करना पड़ सकता है जैसे -

- उपकरण बनाना
- बड़े-बड़े भवनों में उन उपकरणों का इंस्टालेशन करना
- उपकरणों का मेन्टीनेन्स करना
- उपकरणों का संचालन
- बतौर विशेषज्ञ आकिटेक्ट को सलाह देना इत्यादि
- सुपरविजन करना
- लोगों को आपात स्थितियों के लिए तैयार करना

Q इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं कहां-कहां मौजूद हैं तथा कैरियर के रूप में यह विकल्प कितना प्रभावी सिद्ध होगा?

जवाब : इसमें कोई शक नहीं है कि सिविल इंजीनियरिंग का काम जितनी तेजी से हो रहा है उतनी ही तेजी से इन बड़े-बड़े आवासीय भवनों, विद्यालयों, मॉल्स, आफिसेज, स्टेशनों, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक एवं अन्य कामर्शियल इमारतों में आग से बचाव से सम्बन्धित उपकरणों का प्रयोग किया जा रहा है। जहां फायर इंजीनियर्स की मदद ली जाती है क्योंकि फायर इंजीनियर ही आग लगने की स्थितियों से आसानी से निपटने तथा आग पर नियंत्रण पाना जानते हैं। इसके अतिरिक्त पहले की अपेक्षा आज हर जिले में फायर स्टेशन बनाये जा रह हैं। जिसमें बड़ी मात्रा में नियुक्ति होनी है या तो हो रही है।

Q इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए उचित प्रशिक्षण अति आवश्यक है ऐसे में कौन सा संस्थान सबसे बेहतर होगा?

जवाब : नागपुर का फायर कॉलेज इस प्रकार के कोर्सेस के लिए प्रसिद्ध है उसके अलावा अगर आप उत्तर प्रदेश में विकल्प के तौर एक अच्छा फायर कॉलेज तलाश रहे हैं तो कानपुर के साऊथ में मानव संसाधन शिक्षण विकास परिषद ने अपना रीजनल ऑफिस - सेन्ट्रल इंस्टीट्यूटर ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग के नाम से दामोदर नगर में बनाया है जहां पर फ़ायर और सेफ्टी का प्रशिक्षण बहुत ही आसान तरीके से उपकरणों की मदद से अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाता है। यह संस्थान उत्तम प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश भर में जाना जाता है। इस संस्थान ने अब तक कई सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्रों में चयन देकर अपनी प्रशिक्षण तथा नियोजन क्षमता को सिद्ध किया है। अतः यह संस्थान आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

रोजगारपरक प्रशिक्षण

सीआईएफएसई द्वारा संचालित कोर्सेज के दौरान छात्रों को कानपुर फर्टिलाइजर व आर्डिनेन्स फैक्ट्री में एक महीने के प्रैक्टिकल अटैचमेन्ट प्रदान करने की भी व्यवस्था की गयी है, जिसके दौरान सभी छात्र उक्त उपक्रमों में भेजे जाते हैं, जहां उन्हें लाइव फायर फाइटिंग का अनुभव प्राप्त हो सके। छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए सीआईएफएसई समय-समय पर महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल विजिट्स का भी आयोजन करता है, जिनसे सभी विद्यार्थियों को सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान भी प्राप्त हो सके। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए सीआईएफएसई की वेबसाइट **www.cifseindia.org** पर विजिट करें।

सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर

एडमीशन शुरु

आज के प्रतिस्पर्धा भरे दौर में सभी छात्र एक ऐसे पाठ्यक्रम को अपनाना चाहते हैं, जिसके समापन पर वे एक अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकें। फायर एंड सेफ्टी का फील्ड एक ऐसा फील्ड है, जहां रोजगार के बहुत से अवसर मौजूद हैं। सही व उत्तम प्रशिक्षण प्राप्त कर आप इस फील्ड में एक बेहतर कैरियर का चुनाव कर सकते हैं। सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर ने युवाओं के लिए उम्मीद की नई किरण उजागर की है। सीआईएफएसई द्वारा संचालित कोर्सेज हैं -

- डिप्लोमा इन फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग (१२ वीं पास)
- डिप्लोमा इन इन्डस्ट्रियल सेफ्टी इंजीनियरिंग (१२ वीं पास)
- डिप्लोमा इन इनवायरमेन्टल हेल्थ एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग (१२ वीं पास)
- पोस्ट डिप्लोमा इन फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग (ग्रेजुएट किसी भी विषय से)

उक्त कोर्सेज युवाओं को रोजगार तो दे ही रहे हैं, साथ ही उन्हें जीवन में प्रगति के पथ पर अग्रसर होने में भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर प्रशिक्षण एवं आधुनिक उपकरणों की सहायता से सीआईएफएसई अपनी सभी छात्रों को सर्वश्रेष्ठ तकनीकी ज्ञान प्रदान कर रहा है। सीआईएफएसई से प्रशिक्षित सभी छात्र आज बड़े-बड़े संस्थानों में कार्यरत हैं। अच्छे वेतन के साथ-साथ एक बेहतर जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

सीआईएफएसई के एक छात्र से बात करने पर उन्होंने कहा कि सीआईएफएसई एक ऐसा संस्थान है, जहां छात्रों के प्रशिक्षण के लिए सभी आधुनिक एवं बेहतर तकनीक को उपयोग में लाया जाता है। छात्रों का यहां तक मानना है कि ऐसा तकनीकी ज्ञान किसी और संस्थान में उपलब्ध नहीं है तथा इस संस्थान का चुनाव करके उन्होंने अपने बेहतर जीवन की ओर एक अहम कदम उठाया है।

सेवा ही कर्तव्य विभिन्न आपदाओं में राहत कार्यों से संस्थान ने बनाई अपनी पहचान

जब जरूरत तब तैयार

आपदाएं कभी बताकर नहीं आतीं। मौके-बे-मौके इंसान की परेशानियों का सबब बन ही जाती हैं। ऐसी परेशानियों और आपात स्थितियों से निपटने में सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग, दामोदर नगर, कानपुर हमेशा तैयार रहता है। कई बार ऐसी स्थितियां आई हैं कि कानपुर में घटित हुई विभिन्न दुर्घटनाओं में संस्थान के छात्रों और प्रशिक्षकों की टीम ने भरपूर सहयोग किया और तत्काल राहत पहुंचाने में अपना योगदान दिया है। आपदा प्रबन्धन विभाग की ओर से राहत कार्य में मदद हेतु बुलाये जाने पर संस्थान सदैव अपनी टीम के साथ उपलब्ध रहता है। इसी वजह से संस्थान को कानपुर के जिलाधिकारी श्री विजय विश्वास पंत, इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा संस्थान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है ताकि संस्थान इसी प्रकार से उत्तरोत्तर प्रगति करता रहे।

रूमा की एक फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने के प्रयास में CIFSE के छात्र।

लाइव डेमोस्ट्रेशन

सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग के ग्राउण्ड में इण्डियन ऑयल बॉटनिकल प्लान्ट के साथ लाइव मॉकड्रिल।

Prevention is better than cure

ब्रजेश द्विवेदी
पूर्व फायर ऑफिसर
जीएमआरईएमसीओ, वरोड़ा, महाराष्ट्र
एचओडी (सीआईएफएसई, दामोदर नगर, कानपुर)

उड़ीसा राज्य में आए 'फैनी' चक्रवात से हमारे देश को काफी हानि हुई है एवम समुद्र तटवर्ती क्षेत्रों में बने घरों, खेतीबाड़ी आदि को बहुत नुकसान तथा धन-जन की काफी हानि हुई है। परन्तु इस बात के लिए आपदा प्रबन्धन की टीम, फायर ब्रिगेड, सेना, केन्द्रीय पुलिस बल व अन्य क्षेत्रीय संगठन बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने इस तरह की आपदा से निपटने की पूर्ण तैयारी कर रखी थी उन्होंने बड़ी मात्रा में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानान्तरित किया। **Prevention is better than cure** के सिद्धान्त पर हमारे देश के प्रत्येक जन को अमल करना चाहिए एवम् जहां पर भी औद्योगिक इकाई हो पूरी ईमानदारी से सुरक्षा के नियमों को लागू किया जाना चाहिए। इसी वैचारिक चिन्तन को महत्व देते हुए सीआईएफएसई ने पिछले वर्षों में विद्यालयों में, औद्योगिक संस्थानों में, ग्राम सभाओं आदि में फायर सेफ्टी का सजीव प्रशिक्षण देकर लोगों को जागरूक किया। जब कभी भी कानपुर (उ०प्र०) फायर सर्विस ने हमारे संस्थान को बचाव कार्य हेतु बुलाया है हमारे स्टॉफ तथा छात्रों की टीम सदैव सहयोग के लिए तत्पर रही है।

दुर्घटना के पूर्व तैयारी न कि उपरान्त में

औद्योगिक संगठनों से यह अपेक्षा की जाती है कि सम्भावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम की तैयारी पूर्व में ही की जायें ताकि इसके लिए प्रशिक्षित फायर सुरक्षा कर्मचारी, प्राथमिक अग्नि सुरक्षा उपकरण (फायर इक्विपमेंट) आदि का इंस्टालेशन प्रशिक्षित अधिकारी की देखरेख में किया जाना चाहिए।

भारत सरकार ने 14 अप्रैल 1944 को बाम्बे डॉकयार्ड में हुई अग्निदुर्घटना के उपरान्त हर वर्ष 14 अप्रैल को फायर सर्विस डे मनाने का निर्णय लिया गया परन्तु यह दिवस केवल विभागीय बनकर रह गया है अतएव हम सब का दायित्व है कि अग्नि से होने वाली सम्भावित दुर्घटना को कैसे रोका जाये इसके लिए जिम्मेदार एजेन्सियों को सराहनीय प्रयास करने की आवश्यकता है।

राजदेव यादव सलाहकार, सीआईएफएसई

हर वर्ष करोड़ों की सम्पत्ति आग लगने की घटनाओं की भेंट चढ़ रही है यदि थोड़ी सी सावधानी बरती जाये और ऐसी स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण लिया जाये तो आग लगने की घटनाओं में होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह क्षेत्र जोखिम और साहस से भरा हुआ है। इसके अलावा जो लोग समाज की सेवा करना चाहते हैं वे लोग इस साहस और रोमांच से भरे क्षेत्र में आ सकते हैं साथ ही अपना कैरियर बनाकर भारत में लगभग 15 से 40 हजार रुपये प्रतिमाह के करीब तथा विदेशों में लगभग 1 से 1.5 लाख प्रतिमाह के करीब आय प्राप्त कर सकते हैं।

सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के परिवारी सदस्यों को हमारे संस्थान की ओर से फीस में विशेष छूट प्रदान की जाती है। हमारे संस्थान में विभिन्न डिप्लोमा कोर्सेस के लिए प्रवेश प्रारम्भ हैं। लड़के व लड़कियां दोनों ही विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अपना आवेदन कर सकते हैं तथा अपने भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट www.cifseindia.org पर विजिट कर सकते हैं या सीधे संस्थान में सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रुति गुप्ता कैरियर काउन्सलर, सीआईएफएसई

आजकल के कम्पटीशन के दौर में सभी विद्यार्थी एक ऐसा पाठ्यक्रम अपनाना चाहते हैं जिसके समाप्त होने पर वे एक अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकें। फायर एण्ड सेफ्टी की फील्ड एक ऐसी फील्ड है जहां रोजगार के बहुत अच्छे व उत्तम अवसर उपलब्ध है। सही व उत्तम प्रशिक्षण प्राप्त करके इस फील्ड में आकर लड़के एवं लड़कियां दोनों ही बेहतर कैरियर बना सकते हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- **नेशनल फायर सर्विस कॉलेज, नागपुर**
  Website : www.nfscnagpur.nic.in
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  995, दामोदर नगर, बर्रा, कानपुर (यादव पीसीओ चौराहा)
  Contact : 7310176777, 9451442631-32
  Website : www.cifseindia.org
- **श्री चन्द्र भान सिंह फायर इंस्टीट्यूट**
  गोनापार, जौनपुर
  Contact : 9984383892 Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  नियर श्री कृष्णगीता इंटर कॉलेज, लालगंज, आजमगढ़
  Contact : 9792579844, 9919140691
  Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  डिब्रूगढ़, असम
  Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  राजकोट, गुजरात
  Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  विरावल, गिरि सोमनाथ, गुजरात
  Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  गांधी धाम, गुजरात
  Website : www.cifseindia.org
- **सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एण्ड सेफ्टी इंजीनियरिंग**
  ऊना, हिमांचल प्रदेश
  Website : www.cifseindia.org

हमारे संस्थान के चयनित छात्र

ताजा घटनाएं

ऐसे वक्त पर पड़ती है हमारी जरूरत

आपदा आने का कोई वक्त निर्धारित नहीं होता है न ही उससे होने वाले नुकसान को खत्म किया जा सकता है केवल पहले से की गई तैयारियों के जरिये उस नुकसान को कम से कमतर किया जा सकता है साथ ही सजग रहकर साहस के साथ ऐसे वक्त में पीड़ितों की कुशल लोगों द्वारा सहायता करके धन और जनहानि को निम्नतम स्तर तक पहुँचाया जा सकता है हाल ही में घटित हुई कुछ ताजा दुर्घटनाएं आपके सामने एक उदाहरण के तौर पर मौजूद हैं -

25 मई : कलक्टरगंज, कानपुर

■ कलक्टरगंज गुड़मण्डी, कानपुर में २५ मई को पाँच मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी इमारत को अपने आगोश में ले लिया। इमारत में मौजूद दो कारोबारी भाइयों के परिवार के आठ सदस्य आग में फंस गये दमकलकर्मियों ने अपने साहस के बल पर दोनों परिवारों को सकुशल बाहर निकाला जिसके लिए प्रशासन द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया।

24 मई : सूरत, गुजरात

■ सूरत, गुजरात में एक चार मंजिला इमारत में २४ मई को आग लग गई। इस बिल्डिंग में एक कोचिंग भी संचालित थी लेकिन इतनी ऊँची बिल्डिंग होने के बाद भी सुरक्षा मानकों का जरा भी ध्यान नहीं रखा गया था। आग से काबू पाने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। इन सब लापरवाहियों का नतीजा यह हुआ कि आग लगने पर घबराहट में १२ से १६ साल के बीच के छात्र/छात्राएं चौथी मंजिल से कूद गए। दम घुटने और कूदने की वजह से २३ छात्र/छात्राओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुँचने से पहले ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। इस प्रकार की घटनाओं में अगर लापरवाही न बरती जाए और पहले से ही उपाय कर लिये जाने चाहिए।

कानपुर में संस्थान के गौरवशाली 4 वर्ष

पेज डिजाइनिंग - आशुतोष शर्मा-9648991080